

गुजरात का गृह

जगत में पिछले 27 सालों से भाजपा की ही सरकार रही है, क्या इस बार कांग्रेस का वरसो पुराना उंतजार खत्म होने वाला है। चुनाव के बीच यह सबसे बड़ा सवाल है। जिसका सटीक जवाब 3 दिसंबर को रिजल्ट के साथ मिलेगा। हालांकि, बोटिंग से फहले सर्वे एंजेसेंसों ने जुटी है। ज्यादातर ने दावा किया है कि एक बार पर भाजपा की सरकार बन सकती है। साथ ही आम आदमी पार्टी भी जड़ जमाती दिखाई दे रही है। साल 2017 में विधानसभा चुनाव में भाजपा को मुकाबले की टक्कर देने वाली कांग्रेस को इस बार 'आप' पार्टी की एकी से बड़ा नुकसान होता दिख रहा है। इसपर राजनीतिक जानकारों का कहना है कि भाजपा विरोधी मतों में बटवां से कांग्रेस को नुकसान कर सकती है। भारत और भाजपा को कफी जाता फायदा हो सकता है। भारत और वो पार्टी के ओपीनियर पोल का अनुमान है कि भाजपा को 46.2 फीसदी वोट मिल सकते हैं। कांग्रेस 28.4 फीसदी वोट पर कब्जा कर सकती है। साथ ही आप पार्टी को 20.6 फीसदी वोट मिलने का अनुमान लगाया जा रहा है। इत्यादि को 4.8 फीसदी वोट मिल सकते हैं। आम आदमी पार्टी और कांग्रेस को वोट शेयर को जोड़ दिया जाए तो भाजपा को अनुमानित वोट से अधिक हो जाता है। लेकिन जिस गुजरात में कांग्रेस का अनुमानित स्थिति में है वहाँ कांग्रेस के उत्तराज रहुल गांधी का अब तक न जाना और पदवाया में व्यस्त रहना क्या संकेत देता है? कहीं कांग्रेस मानसिक स्पष्ट से हारी है। उन्होंने कहा कि 1932 का खत्मितान झारखंड के बहुत से लोगों के पास नहीं है, इससे राज्य का भला होनेवाला नहीं है। उन्होंने कहा कि अलग झारखंड राज्य का श्रेष्ठ लेनेवाले को यह शर्म आनी चाहिए कि जो लोग विहार, बंगाल, मध्य प्रदेश एवं उड़ीसा को लेकर बहुत प्राण बनाने का सपना देख रहे थे, जो कर्त्तव्य संभव नहीं था। इसी बीच मैं व समरेश सिंह वनांचल राज्य को लेकर एवं बहुत आंदोलन एकीकृत विहार में लगाया, जिसमें दक्षिणी छोटानागपुर के भूगण को ही भाजपा के अलग वनांचल राज्य करों के साथ आंदोलन झड़ा किया। जो अंतिम रूप लेता चला गया।

रेल मंत्रालय ने कहा कि 31 अक्टूबर तक की स्थिति के अनुसार, कुल 65,142 रेल मार्ग किलोमीटर बॉड गेज नेटवर्क के अंतर्गत हैं। इसमें से 53,470 किलोमीटर वारी 82.08 प्रतिशत रेल मार्ग का विद्युतीकरण किया जा चुका है। भारतीय रेल देशविभिन्नों के लिये एक मात्र अंतराज्य परिवहन सेवा है जिससे पूरा देश जुड़ा है। रेल के विकास का अथं देश का विकास है। भारतीय रेल द्वारा यात्रा का दूसरा सबसे बड़ा रेल नेटवर्क है। भारतीय रेलवे ने अपने पूरे ब्रॉड गेज नेटवर्क के विद्युतीकरण के लिये महत्वाकांक्षी योजना शुरू की है। इसके परिणामस्वरूप न केवल बेहतर तरीके से इंधन ऊर्जा का उत्तर्योग होगा, बल्कि दक्षता बढ़ने के साथ ईंधन खर्च में कमी आएगी और फलतः कीमती विदेशी मुद्रा की बचत होगी। इससे पहले, 2021 में सबसे अधिक 6,015 किलोमीटर रेल मार्ग का विद्युतीकरण किया गया था।

मंत्रालय के अनुसार 31 अक्टूबर तक की स्थिति के अनुसार कुल 65,142 रेल मार्ग किलोमीटर बॉड गेज नेटवर्क के अंतर्गत हैं। इसमें से 53,470 किलोमीटर वारी 82.08 प्रतिशत रेल मार्ग का विद्युतीकरण किया जा चुका है। भारतीय रेल देशविभिन्नों के लिये एक मात्र अंतराज्य परिवहन सेवा है जिससे पूरा देश जुड़ा है। रेल के विकास का अथं देश का विकास है। भारतीय रेल द्वारा यात्रा का दूसरा सबसे बड़ा रेल नेटवर्क है। भारतीय रेलवे ने अपने पूरे ब्रॉड गेज नेटवर्क के विद्युतीकरण के लिये महत्वाकांक्षी योजना शुरू की है। इसके परिणामस्वरूप न केवल बेहतर तरीके से इंधन ऊर्जा का उत्तर्योग होगा, बल्कि दक्षता बढ़ने के साथ ईंधन खर्च में कमी आएगी और फलतः कीमती विदेशी मुद्रा की बचत होगी। इससे पहले, 2021 में सबसे अधिक 6,015 किलोमीटर रेल मार्ग का विद्युतीकरण किया गया था।

मंत्रालय के अनुसार 31 अक्टूबर तक की स्थिति के अनुसार कुल 65,142 रेल मार्ग किलोमीटर बॉड गेज नेटवर्क (कोंकण रेलवे समेत) के अंतर्गत हैं। इसमें से 53,470 किलोमीटर वारी 82.08 प्रतिशत रेल मार्ग का विद्युतीकरण किया जा चुका है। भारतीय रेल देशविभिन्नों के लिये एक मात्र अंतराज्य परिवहन सेवा है जिससे पूरा देश जुड़ा है। रेल के विकास का अथं देश का विकास है। भारतीय रेलवे ने अपने पूरे ब्रॉड गेज नेटवर्क के विद्युतीकरण के लिये महत्वाकांक्षी योजना शुरू की है। इसके परिणामस्वरूप न केवल बेहतर तरीके से इंधन ऊर्जा का उत्तर्योग होगा, बल्कि दक्षता बढ़ने के साथ ईंधन खर्च में कमी आएगी और फलतः कीमती विदेशी मुद्रा की बचत होगी। इससे पहले, 2021 में सबसे अधिक 6,015 किलोमीटर रेल मार्ग का विद्युतीकरण किया गया था।

जब विभाग राज्य से झारखंड को अलग हुए 22 वर्ष हो गये लेकिन झारखंड का विकास जिस गति से होना चाहिए था वह नहीं हो पाया। यदि वन, खनिज संपदा से आच्छादित झारखंड का विकास किया जाता तो यह एक आदर्श राज्य के रूप में भारत में स्थापित होता। जहां पर बाहर के लोग आकर काम करते लेकिन ऐसा नहीं हुआ। यह एक अपागिन मां की तरह है झारखंड, जिसके कोखा में अमीरी छिला हुआ है लेकिन गोद में गरीबी है। उक्त बांधे झारखंड के प्रथम विधानसभा अध्यक्ष इंद्र रिंग हामशीरी ने एक साक्षात्कार में कहा कि झारखंड की शुरुआत ही आदिवासी को वोट मिल सकते हैं। उन्होंने कहा कि अलग झारखंड के बहुत से लोगों के पास नहीं है, इससे राज्य का भला होनेवाला नहीं है। उन्होंने कहा कि अलग झारखंड राज्य का श्रेष्ठ लेनेवाले को यह शर्म आनी चाहिए कि जो लोग विहार, बंगाल, मध्य प्रदेश एवं उड़ीसा को लेकर बहुत प्राण बनाने का सपना देख रहे थे, जो कर्त्तव्य संभव नहीं था। इसी बीच मैं व समरेश सिंह वनांचल राज्य को लेकर एवं बहुत आंदोलन एकीकृत विहार में लगाया, जिसमें दक्षिणी छोटानागपुर के भूगण को ही भाजपा के अलग वनांचल राज्य के लिये एक अंदोलन करते रहे। उन्होंने कहा कि अलग झारखंड राज्य का विद्युतीकरण किया गया था। जब मैं 1988 में भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष बना तो उस समय दक्षिणी छोटानागपुर का एकलौता नेता हुए जो कि अध्यक्ष बनने के बाद मैं सबसे पहले शिव सोरेन, शैलेंद्र महतो और सूरज मंडल से मिला और यह कहा कि दक्षिणी छोटानागपुर के भूगण को लेकर ही आंदोलन किया जाये तो भाजपा इसमें व्यवहारी हो। लेकिन झारखंड के कुछ हिस्सों को लेकर अलग झारखंड राज्य बनाने को लेकर अंदेरे हो। तब जमजूर नेता समरेश सिंह है तो वे आंदोलन के साथ विद्युतीकरण किया गया। जब विभाग राज्य के लिये एक अंदोलन करने के बाद मैं सबसे पहले शिव सोरेन, शैलेंद्र महतो और सूरज मंडल से मिला और यह कहा कि दक्षिणी छोटानागपुर के भूगण को लेकर ही आंदोलन करते रहे। उन्होंने कहा कि अलग झारखंड राज्य के लिये एक अंदोलन करने के बाद मैं सबसे पहले शिव सोरेन, शैलेंद्र महतो और सूरज मंडल से मिला और यह कहा कि दक्षिणी छोटानागपुर के भूगण को लेकर ही आंदोलन करते रहे। उन्होंने कहा कि अलग झारखंड राज्य का विद्युतीकरण किया गया था। जब मैं 1988 में भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष बना तो उस समय दक्षिणी छोटानागपुर का एकलौता नेता हुए जो कि अध्यक्ष बनने के बाद मैं सबसे पहले शिव सोरेन, शैलेंद्र महतो और सूरज मंडल से मिला और यह कहा कि दक्षिणी छोटानागपुर के भूगण को लेकर ही आंदोलन करते रहे। उन्होंने कहा कि अलग झारखंड राज्य का विद्युतीकरण किया गया था। जब मैं 1988 में भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष बना तो उस समय दक्षिणी छोटानागपुर का एकलौता नेता हुए जो कि अध्यक्ष बनने के बाद मैं सबसे पहले शिव सोरेन, शैलेंद्र महतो और सूरज मंडल से मिला और यह कहा कि दक्षिणी छोटानागपुर के भूगण को लेकर ही आंदोलन करते रहे। उन्होंने कहा कि अलग झारखंड राज्य का विद्युतीकरण किया गया था। जब मैं 1988 में भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष बना तो उस समय दक्षिणी छोटानागपुर का एकलौता नेता हुए जो कि अध्यक्ष बनने के बाद मैं सबसे पहले शिव सोरेन, शैलेंद्र महतो और सूरज मंडल से मिला और यह कहा कि दक्षिणी छोटानागपुर के भूगण को लेकर ही आंदोलन करते रहे। उन्होंने कहा कि अलग झारखंड राज्य का विद्युतीकरण किया गया था। जब मैं 1988 में भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष बना तो उस समय दक्षिणी छोटानागपुर का एकलौता नेता हुए जो कि अध्यक्ष बनने के बाद मैं सबसे पहले शिव सोरेन, शैलेंद्र महतो और सूरज मंडल से मिला और यह कहा कि दक्षिणी छोटानागपुर के भूगण को लेकर ही आंदोलन करते रहे। उन्होंने कहा कि अलग झारखंड राज्य का विद्युतीकरण किया गया था। जब मैं 1988 में भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष बना तो उस समय दक्षिणी छोटानागपुर का एकलौता नेता हुए जो कि अध्यक्ष बनने के बाद मैं सबसे पहले शिव सोरेन, शैलेंद्र महतो और सूरज मंडल से मिला और यह कहा कि दक्षिणी छोटानागपुर के भूगण को लेकर ही आंदोलन करते रहे। उन्होंने कहा कि अलग झारखंड राज्य का विद्युतीकरण किया गया था। जब मैं 1988 में भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष बना तो उस समय दक्षिणी छोटानागपुर का एकलौता नेता हुए जो कि अध्यक्ष बनने के बाद मैं सबसे पहले शिव सोरेन, शैलेंद्र महतो और सूरज मंडल से मिला और यह कहा कि दक्षिणी छोटानागपुर के भूगण को लेकर ही आंदोलन करते रहे। उन्होंने कहा कि अलग झारखंड राज्य का विद्युतीकरण किया गया था। जब मैं 1988 में भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष बना तो उस समय दक्षिणी छोटानागपुर का एकलौता नेता हुए जो कि अध्यक्ष बनने के बाद मैं सबसे पहले शिव सोरेन, शैलेंद्र महतो और सूरज मंडल से मिला और यह कहा कि दक्षिणी छोटानागपुर के भूगण को लेकर ही आंदोलन करते रहे। उन्होंने कहा कि अलग झारखंड राज्य का विद्युतीकरण किया गया था। जब मैं 1988 में भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष बना तो उस समय दक्षिणी छोटानागपुर का एकलौता नेता हुए जो कि अध्यक्ष बनने के बाद मैं



**स्पॉड
न्यूज़**

**स्काईलैट का रॉकेट
प्रक्षेपण 18 तक टला**

नयी दिल्ली। हेदराबाद रिश्त अंतर्रिक्ष स्टार्टअप रकाईरूट एयरोस्पेस ने रविवार को कहा कि खराब मौसम की वजह से भारत के पहले निजी तौर पर विकसित रॉकेट विक्रम-एस का उप-कक्षीय 18 नवंबर तक स्थित हो गया है। रकाईरूट एयरोस्पेस के प्रवक्ता ने कहा, हँखाबू मौसम के पूर्वानुमान के कारण, हमें श्रीविकारा से हमारे विक्रम-एस रॉकेट प्रक्षेपण के लिए 15-19 नवंबर तक एक नयी विंडो दी गई है, जिसकी सबसे सभी वितरी तारीख 18 नवंबर को सुबह 11:30 बजे है।

मुंबई हवाई अड्डे पर 32 करोड़ का सोना जल्द मुंबई। मुंबई स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने

अलग-अलग अधिकारियों में से 32 करोड़ रुपये मूल्य का 61 किलोग्राम सोना जल्द किया है, जो विभाग द्वारा एक दिन में हवाई अड्डे पर जल्द इस बाहर तारीख सुनायी दी गई है। यह जानकारी एक अधिकारी ने रविवार को दी। अधिकारी ने बताया कि शुल्कारों को सोना जल्द किये जाने के साथ कम से कम सात यात्रियों को निपटाना किया गया, जिनमें दो महिलाएं भी शामिल हैं।

थलसेना प्रगृह्य जनरल नानोज पांडे फ्रांस द्वारा
नयी दिल्ली। थलसेना प्रगृह्य जनरल नानोज पांडे तीनी से बदल रही भू-राजनीतिक रिश्त के बीच भारत तथा फ्रांस की सेनाओं में विश्वास के बंधन को और मजबूत करने के उद्देश्य से एक दिवसीय दौरे पर रविवार को फ्रांस रवाना हो गए। जनरल पांडे फ्रांस के शीर्ष सैन्य अधिकारियों के साथ व्यापक बातचीत करेंगे, जिनमें थीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ, थलसेना प्रगृह्य और लेड कॉर्नेट फार्सेंज के कमांडर शामिल हैं।

हिनाचल में 74.61 प्रतिशत नतदान
शिमला। हिनाचल प्रदेश की 68 सदस्यीय 14वीं विधानसभा के लिये शनिवार को हुये दुनावों के अब तक प्रास आंकड़े के अनुसार लगभग 74.61 प्रतिशत नतदान हुआ है लेकिन अभी बैलेट से किये गये मतदान के आंकड़े आगे आगे हैं और इस मतदान 75 प्रतिशत तक या इसे भी पार कर सकता है। अब देखना यह है कि क्या इस बार मतदान 2017 के 75.57 प्रतिशत के रिकार्ड को धरेंगा। राज्य में इससे पहले वर्ष 2012 में 72.69 प्रतिशत और वर्ष 2007 में 71.61 प्रतिशत मतदान हुआ था। निर्वाचन आयोग ने राज्य में इस बार 40 प्रतिशत मतदान का लक्ष्य रखा था। 3 नेक केंद्रों पर शनिवार रात्रि 10.30 बजे के बाद तक मतदान होता रहा।

राम मंदिर के साथ बनेगी अयोध्या की धननीपुर मरिजद

एजेंसी

लखनऊ। सुप्रीम कोर्ट के अदेश पर अयोध्या में मुसलमानों को दी गई उम्मीद पर मस्जिद का निर्माण दिसंबर 2023 तक पूरा होने की उम्मीद है। यह जानकारी मस्जिद निर्माण का कार्य कर रहे ट्रस्ट ने दी। मस्जिद का निर्माण करा रहे 'इंडो-इस्लामिक कल्चरल फाउंडेशन ट्रस्ट' के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। अर एसा हुआ तो यह एक संयोग होगा जिसमें भव्य अयोध्या का निर्माण करने वाले मुसलमानों के पूर्वानुमान के कारण, हमें श्रीविकारा से हमारे विक्रम-एस रॉकेट प्रक्षेपण के लिए 15-19 नवंबर तक एक नयी विंडो दी गई है, जिसकी सबसे सभी वितरी तारीख 18 नवंबर को सुबह 11:30 बजे है।



के लिए इंडो-इस्लामिक कल्चरल फाउंडेशन ट्रस्ट का गठन किया है। ट्रस्ट के संस्थान अत्यंत हुसैन ने रविवार को बताया कि हमें इस जल्द बनकर तैयार हो जाने की महीने के आखिर तक अयोध्या विकास का प्राधिकरण से मस्जिद, अस्पताल, सामुदायिक स्तरों पर मस्जिद और सिर्फ सेंटर का उच्चार न्यायिक द्वारा सुनाए गए अम्बुलान्स वाले मुसलमानों के अनुपालन में मुसलमानों के लिए एक संयोग होगा जिसका निर्माण की कोई समय सीमा नहीं तय की गई है। मगर उम्मीद है कि (दिसंबर 2023 तक हम मस्जिद का दाढ़ा नवकाश मिल जाने की उम्मीद है।) उसके फौरान बाद हम मस्जिद का निर्माण कार्य सुरू कर देंगे। उन्होंने कहा कि श्री राम जन्मभूमि तीरथ क्षेत्र ट्रस्ट ने अयोध्या में राम जन्मभूमि पर भव्य मस्जिद का निर्माण दिसंबर 2023 तक मुकम्मल हो जाने की वात कही है। संभावना है कि मस्जिद और अन्य सुविधाओं का निर्माण उपरी दिजाइन के अनुरूप किया जाएगा जो ट्रस्ट से पहले जारी

देश/ विदेश

रांची, सोमवार

14.11.2022

खबर मन्त्र

12

दिसंबर 2023 तक तैयार हो जायेगा ढांचा

राम मंदिर ने भी शुरू हो जाएगी पूजा-अर्चना

किया था।

मौलवी शाह के नाम पर जाना जाएगा कॉम्प्लेक्स: उन्होंने बताया कि मस्जिद का नाम 'धनीपुर अयोध्या मस्जिद' होगा जबकि मस्जिद तथा अन्य सभी सुविधाओं के पूरे परिसर को 'मौलवी अहमदुलाल शाह कॉम्प्लेक्स' के नाम पर 2019 की अंतिम तारीख तक अयोध्या के अनुपालन में फैसला सुनाते हुए विवादित स्थल की 2.77 एकड़ जमीन देखने के लिए विंडू वाले को देने का आदेश दिया था। साथ ही महान स्वतंत्रता सेनानी थे। गैरलतब है कि श्री राम जन्मभूमि तीरथ क्षेत्र ट्रस्ट ने अयोध्या में राम जन्मभूमि पर भव्य मस्जिद का निर्माण दिसंबर 2023 तक मुकम्मल हो जाने की वात कही है। उन्होंने कहा कि विकास का अनुपालन में जारी रहने के लिए अन्य सभी सुविधाओं का असर पुराने मामले में फैसला सुनाते हुए विवादित स्थल की 100 बैठकों में विवादित बातों के बारे में बहुमत जारी किया गया। उन्होंने कहा कि अहमदुलाल शाह कॉम्प्लेक्स के असर पुराने मामले में फैसला सुनाते हुए विवादित स्थल की 100 बैठकों में विवादित बातों के बारे में बहुमत जारी किया गया। उन्होंने कहा कि इसके अलावा सामुदायिक रसोई में शुरूआती चरण में रोजाना 1000 लोगों के लिए भोजन तैयार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस बारे में फैरन जिला प्रशासन को सूचित किया गया और अन्य सभी सुविधाओं का असर पुराने मामले में फैसला सुनाते हुए विवादित स्थल की 100 बैठकों में विवादित बातों के बारे में बहुमत जारी किया गया।

मस्जिद परिसर में अस्पताल, रसोई, लाइब्रेरी: बोर्ड द्वारा मस्जिद निर्माण के लिए गठित इंडो-इस्लामिक कल्चरल फाउंडेशन ट्रस्ट ने इस जमीन पर एक मस्जिद के साथ-साथ एक अस्पताल, सामुदायिक रसोई, पुस्तकालय और एक शोध संस्थान के निर्माण का आवश्यक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

2 हजार लोगों के लिए बनेगा

रसोई घर: उन्होंने बताया कि बाद में उसकी क्षमता को बढ़ाकर 200 बैठक का बिला जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके अलावा सामुदायिक रसोई में शुरूआती चरण में रोजाना 1000 लोगों के लिए भोजन तैयार किया जाएगा।

इजराइल के राष्ट्रपति ने नेतन्याहू को सरकार बनाने का दिया आमंत्रण

रुशश्लम। इजराइल के राष्ट्रपति आईजैक हर्झोंग द्वारा रविवार को बताया ने नवी सरकार बनाने के लिए आधिकारिक तौर पर आमंत्रित किए जाने के बाद वार्षिक द्वारा जीता किया गया। नेतन्याहू ने वादा किया कि बाद सभी लोगों के प्रधानमंत्री होंगे। एक नवंबर को हुए चुनाव के कुछ दिन बाद राष्ट्रपति कार्यालय की साथ-समय तक सेवारत नेता रहे नेतन्याहू (73) देश के 74 साल के इतिहास में किसी भी अन्य प्रधानमंत्री से ज्यादा-पांच वार्षिक द्वारा चुनाव नहीं देने के लिए आमंत्रित किए जाने के साथ-समय तक सेवारत नेता रहे नेतन्याहू को नेतृत्व कर चुके हैं। नेतन्याहू के बाद सभी लोगों के प्रधानमंत्री होंगे। एक नवंबर को हुए चुनाव के कुछ दिन बाद राष्ट्रपति कार्यालय की साथ-समय तक सेवारत नेता रहे नेतन्याहू (73) देश के 74 साल के इतिहास में किसी भी अन्य प्रधानमंत्री से ज्यादा-पांच वार्षिक द्वारा चुनाव नहीं देने के लिए आमंत्रित किए जाने के साथ-समय तक सेवारत नेता रहे नेतन्याहू को नेतृत्व कर चुके हैं। नेतन्याहू के पास सरकार बनाने के लिए 23 अप्रैल को इंडो-इस्लामिक नेतृत्व कर चुके हैं। इन्होंने कहा कि इन्होंने एक चुनाव के लिए आमंत्रित किए जाने के साथ-समय तक सेवारत नेता रहे नेतन्याहू (73) देश के 74 साल के इतिहास में किसी भी अन्य प्रधानमंत्री से ज्यादा-पांच वार्षिक द्वारा चुनाव नहीं देने के लिए आमंत्रित किए जाने के साथ-समय तक सेवारत नेता रहे नेतन्याहू को नेतृत्व कर चुके हैं। नेतन्याहू के पास सरकार बनाने के लिए 23 अप्रैल को इंडो-इस्लामिक नेतृत्व कर चुके हैं। इन्होंने कहा कि इन्होंने एक चुनाव के लिए आमंत्रित किए जाने के साथ-समय तक सेवारत नेता रहे नेतन्याहू को नेतृत्व कर चुके हैं। इन्होंने एक नवीन वर्षावधि विनायक द्वारा किया गया। इन्होंने कहा कि इन्होंने एक चुनाव के लिए आमंत्रित किए जाने के साथ-समय तक सेवारत नेता रहे नेतन्याहू को नेतृत्व कर चुके हैं। इन्होंने कहा कि इन्होंने एक चुनाव के लिए आमंत्रित किए जाने के साथ-समय तक सेवारत नेता रहे नेतन्याहू को नेतृत्व कर चुके हैं। इन्होंने कहा कि इन्होंने एक चुनाव के लिए आमंत्रित किए जाने के साथ-समय तक सेवारत नेता रहे नेतन्याहू को नेतृत्व कर चुके हैं। इन्होंने कहा कि इन्होंने एक चुनाव के लिए आमंत्रित किए जाने के साथ-समय तक सेवारत नेता रहे नेतन्याहू को नेतृत्व कर चुके हैं। इन्होंने कहा कि इन्होंने एक चुनाव के लिए आमंत्रित किए जाने के साथ-समय तक सेवारत नेता र